



देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 05

अंक - 61

जौनपुर, शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026

सान्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज - 4

मूल्य - 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

सकारी पाबंदियों से होता है व्यापार को नुकसान, प्रदर्शन से नहीं - अभिजीत दीपके

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोंकण जनता पार्टी (कोंजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनों से व्यापार को नुकसान नहीं पहुंचता, बल्कि नुकसान तब होता है जब सरकार पूरा शहर बंद कर देती है, इंटरनेट निर्यात कर देती है और नागरिकों की आवाजों पर रोक लगाती है। दीपके ने कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च से पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में शांति और अहिंसा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि कोंजपा ने मुंबई, पुणे, जयपुर, लखनऊ, बंगलुरु और नागपुर में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए थे और वे सभी पूरी तरह शांतिपूर्ण थे। दीपके ने कहा कि जयपुर में उन पर हमला किया गया था, लेकिन उन्होंने जवाबी कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया, क्योंकि हिंसा का जवाब हिंसा से देना आंदोलन के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, "हम शारीरिक बल का सहारा लेने के बजाय डॉ. बी. आर. आंबेडकर के नेतृत्व में तैयार किए गए संविधान द्वारा हमें दिए गए अधिकारों का इस्तेमाल करना पसंद करेंगे।" दीपके ने कोंजपा के सदस्यों को "अराजक तत्व" साबित करने की कोशिश को खारिज करते हुए कहा कि सरकार से जवाब मांगना, अन्याय को खिलाफ प्रदर्शन करना और सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों से सवाल करना लोकतंत्र की मौलिक अभिव्यक्ति है।

कार्यकर्ताओं की समस्याएं सीधे सुनेंगे पार्टी नेता, बीजेपी दफ्तर में शुरू हुई जन सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने देश भर के अपने कार्यकर्ताओं की चिंताओं और शिकायतों को सुनने के लिए दिल्ली स्थित अपने राष्ट्रीय मुख्यालय में रोजाना जन सुनवाई शुरू की है। यह पहल बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में लागू की गई है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के बीच संवाद को आसान बनाना है। उभ्रक के राष्ट्रीय मुख्यालय के प्रभारी तरुण चुध ने इस संपर्क कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की देखरेख की है। सोमवार से शुक्रवार तक, पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी मुख्यालय में मौजूद रहेंगे। वे पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान के लिए काम करेंगे। मुख्यालय भवन के मल्टीपर्स हॉल में नियमित रूप से जन सुनवाई आयोजित की जाएगी। कामकाज सुचारु रूप से चलता रहे, इसके लिए भाजपा ने राष्ट्रीय महासचिवों, राष्ट्रीय उपाध्यक्षों और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपलब्धता के लिए दिन-वार रोस्टर जारी किया है। ये पदाधिकारी सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक अपने निर्धारित कमरों में उपलब्ध रहेंगे, और दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक ग्राउंड फ्लोर पर स्थित मल्टीपर्स हॉल में जन सुनवाई के लिए मौजूद रहेंगे।

नवरात्रि के छठे दिन पीएम मोदी ने साझा किया सुभाषित, मां कात्यायनी को किया नमन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नवरात्रि के छठे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संस्कृत सुभाषित साझा कर मां कात्यायनी को प्रणाम किया। उन्होंने देवी की स्तुति में एक प्रसिद्ध श्लोक पोस्ट किया, जिसका भावार्थ हर भक्त के मन को छू लेने वाला है। पीएम मोदी ने लिखा "तव च का किल न स्तुतिरम्बिके! सकलशब्दमयी किल ते तनुः। निखिलमूर्तिषु भवदन्वयो मनसिजासु बहिःप्रसरसु च" इस श्लोक का भावार्थ है 'ह जगदंबिके! संसार में भला ऐसा कौन-सा शब्द है जो आपकी स्तुति नहीं है? क्योंकि



आपका स्वरूप तो समस्त शब्दों से बना है। हे देवी! मेरे मन में उठने वाले सभी विचारों और बाहर दिखाई देने वाली समस्त आकृतियों व मूर्तियों में मुझे आपका ही स्वरूप दिखाई देता है। यह संस्कृत श्लोक मां दुर्गा की प्रसिद्ध स्तुति 'देवीमयी' का हिस्सा है। इसमें साधक की उस उच्च अवस्था का वर्णन है, जब उसे पूरी सृष्टि, वाणी और मन के हर संकल्प-विकल्प में केवल देवी के ही दर्शन होते हैं। साधक कहता है कि देवी का विग्रह ही संपूर्ण शब्दों और अक्षरों से रचा गया है, इसलिए

हर शब्द उनकी स्तुति बन जाता है। नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की आराधना की जाती है। मां दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की चार भुजाएँ हैं। एक हाथ में तलवार, दूसरे में कमल पुष्प तथा शेष दोनों हाथ वरदा और अभय मुद्रा में हैं। उनका वाहन सिंह है। मान्यता है कि महर्षि कात्यायन की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर आदिशक्ति ने उनके यहां पुत्री रूप में जन्म लिया था, इसलिए इन्हें कात्यायनी कहा जाता है। भक्त मुख्य रूप से शीघ्र विवाह, वैवाहिक बाधाओं के निवारण और मनचाहा वर पाने के लिए मां कात्यायनी की उपासना करते हैं।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के 28 जिलों में श्रमिक अन्नपूर्णा के 101 नए केंद्रों का किया लोकार्पण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इन नए केंद्रों के जुड़ने से इस योजना के तहत काम करने वाले कुल केंद्रों की संख्या बढ़कर 372 हो गई है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने श्रमिक अन्नपूर्णा के 101 केंद्रों का एक साथ लोकार्पण करने के बाद अहमदाबाद में एक केंद्र पर स्वयं खाना परोसा। भोजन के लिए श्रमिकों की कतार लगी थी। बारी-बारी से मुख्यमंत्री ने सभी को खाना परोसा। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सिर्फ कड़िया नाका ही नहीं, बल्कि निर्माण स्थल पर भी श्रमिकों को सस्ता भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार बाय गाहेड और क्रेडार्ड के साथ मिलकर निर्माण स्थलों तक फूड डिलिवरी की योजना बनाएगी। गुजरात सरकार के सचिव लोचन शहेर ने बताया कि भविष्य में योजना का विस्तार किया जाएगा। राज्य सरकार के श्रम, कौशल विकास और रोजगार विभाग की ओर से चलाई जा रही इस योजना का उद्देश्य निर्माण श्रमिकों को किफायती दाम पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना और उनके दैनिक भोजन खर्च को कम करना है। सरकार इस पहल के तहत निर्माण श्रमिकों को 5 रुपए में पका हुआ भोजन उपलब्ध कराती है। इस योजना के तहत परोसे जाने वाले भोजन में रोटी, सब्जी, दाल, चावल, अचार, मिर्च और गुड़ शामिल होते हैं। इसके अलावा, सप्ताह में एक बार 'सुखड़ी' और 'शीरा' जैसी मिठाइयां भी दी जाती हैं। विभाग के अनुसार, अब तक इस योजना के माध्यम से पांच करोड़ से अधिक बार भोजन परोसा जा चुका है। 101 नए केंद्र खुलने से रोजाना भोजन वितरण में 10,000 की वृद्धि होने की उम्मीद है।

नोएडा सेक्टर-46 में भव्य रामलीला का आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमेटी ने की व्यापक तैयारी



ब्यूरो चीफ/ सत्य प्रकाश उपाध्याय
सनातन संस्कृति से युवाओं को जोड़ने पर दिया जोर, रामलीला की व्यवस्थाओं में जुटी आयोजन समिति नोएडा। नोएडा के सेक्टर-46 में श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी की ओर से हर वर्ष की भांति

इस वर्ष भी भव्य रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कमेटी की ओर से तैयारियों की जा रही हैं। वहीं, रामलीला देखने आने वाले दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। कमेटी के अध्यक्ष विपिन



अग्रवाल ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि रामलीला के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमेटी की ओर से आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि रामलीला देखने आने वाले दर्शकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

सनातन संस्कृति से जुड़े युवा - विपिन अग्रवाल
कमेटी अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सनातन धर्म एक महान धर्म है। युवाओं को अपनी संस्कृति और सनातन परंपराओं से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और संस्कारों से परिचित कराने का अवसर मिलता है। उन्होंने 'जेन-जी' शब्द के प्रयोग

को लेकर भी अपनी राय व्यक्त की। उनका कहना था कि भारतीय समाज में बच्चों के लिए बेटा, बेटी और अन्य पारंपरिक संबोधनों का प्रयोग किया जाता रहा है। उन्होंने भारतीय संस्कृति और पारंपरिक शब्दावली को महत्व देने की बात कही। पूरी टीम संभाल रही आयोजन की जिम्मेदारी

रामलीला के सफल आयोजन के लिए कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य लगातार व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। कमेटी के महासचिव गिरिराज अग्रवाल और कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल सहित पूरी आयोजन समिति रामलीला की तैयारियों और व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। कमेटी का प्रयास है कि रामलीला का आयोजन व्यवस्थित, सुरक्षित और सफल तरीके से संपन्न हो, जिससे क्षेत्र के लोग धार्मिक आयोजन का लाभ उठा सकें और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जुड़ाव मजबूत हो।

राहुल गांधी और सीजेपी पर धर्मेंद्र प्रधान ने साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि उनके आंदोलन का असली चेहरा सामने आ गया है। सत्ता परिवर्तन को लेकर विपक्ष की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रधान ने कहा कि सत्ता बदलना ही विपक्ष का असली मकसद है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे बांग्लादेश की घटनाओं से प्रेरित हैं। इसे एक सोची-समझी साजिश करार देते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में बदलाव केवल लोकतंत्र के जरिए ही आ सकता है। साथ ही, उन्होंने राहुल गांधी को संविधान-विरोधी बताया और कहा कि मतदाताओं ने समय-समय पर कांग्रेस नेता को नकार दिया है। भाजपा नेता ने एक्स पर लिखा कि देशहित, व्यवस्था को ठीक करने के दावे और छात्रों के हितों के नाम पर शुरू हुए विरोध प्रदर्शन का असली चरित्र अब किसी से छिपा नहीं है। खुले तौर पर फूमहपउम बंदहमफ और बांग्लादेश से प्रेरणा लेने की बात करना स्पष्ट करता है कि यह छात्रों की आड़ में केवल देश में अराजकता फैलाने और राजनीतिक व्यवस्था को अस्थिर करने की सोची-समझी साजिश है। मगर, विदेशी ताकतों के दम पर सत्ता का सपना देखने वाले ये देश विरोधी लोग समझ लें कि भारत में सत्ता परिवर्तन केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया से तय होता है। इसलिए, भारत की जनता इस अलोकतांत्रिक सोच को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हार का शतक लगा चुके।



उत्तर प्रदेश के शिक्षक-कर्मचारियों ने सीएम योगी से मांगी 19 अक्टूबर की छुट्टी, बंद रहेंगे स्कूल

लखनऊ, (संवाददाता)। शिक्षक और कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 19 अक्टूबर को महानवमी पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन समेत कई संगठनों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र भेजा है। संगठनों का कहना है कि 18 अक्टूबर को रविवार और 20 अक्टूबर को दशहरे की छुट्टी है। ऐसे में 19 अक्टूबर को भी छुट्टी घोषित होने पर लगातार तीन दिन का अवकाश मिल जाएगा। इससे शिक्षक और कर्मचारी महानवमी के धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे। शारदीय नवरात्रि में महाअष्टमी और महानवमी के



दिन कन्या पूजन का खास महत्व है। इस बार अष्टमी का कन्या पूजन 18 अक्टूबर और नवमी का कन्या पूजन 19 अक्टूबर को किया जाएगा। वहीं, 20 अक्टूबर को सुबह 9:34 बजे तक भी नवमी का पूजन किया जा सकता है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि काशी पंचांग के

अनुसार, अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर को सुबह 5:54 बजे से 19 अक्टूबर सुबह 6:53 बजे तक रहेगी। इसके बाद नवमी तिथि 19 अक्टूबर सुबह 6:53 बजे से 20 अक्टूबर सुबह 9:34 बजे तक रहेगी। 20 अक्टूबर को सुबह 9:34 बजे नवमी तिथि खत्म होने के बाद दशमी शुरू

होगी। इसी दिन व्रत का पारण, दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन और विजयदशमी का पर्व मनाया जाएगा। दूसरी ओर, सरकार ने प्रदेश के निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 6.93 लाख बच्चों की निशुल्क पढ़ाई के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने 698 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसमें स्कूल की फीस की भरपाई के साथ किताबें और स्टेशनरी खरीदने के लिए आर्थिक मदद भी शामिल है। विभाग ने अगले शैक्षिक सत्र 2027-28 में अनुमानित प्रवेश के लिए भी 85 करोड़ रुपये का बजट दिया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम यानी आरटीई के तहत निजी स्कूलों में पात्र बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाता है।

अग्रसेन जयंती पर मारवाड़ी भवन में उमंग और उत्साह का दिवा संगम, नन्ने मुन्ने बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)
अयोध्या शहर के महाराजा अग्रसेन मार्ग स्थित मारवाड़ी भवन, वजीरगंज में गुरुवार को अग्रसेन जयंती समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया। नन्ने-मुन्ने बच्चों ने गीत, एकांकी, नुक्कड़ नाटक और नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भागीरथ पंचेरीवाला, श्रीनिवास अग्रवाल, मखन लाल अग्रवाल, विपिन सिंघल, सुरेंद्र अग्रवाल, सजन अग्रवाल, तथा मारवाड़ी अग्रवाल समा अयोध्या के अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में बच्चों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक एवं



प्रेरणादायी प्रस्तुतियां दीं। उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथियों ने कहा कि अग्रवाल समाज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। समाज की उपलब्धियां और योगदान इसकी सामूहिक एकजुटता एवं सामाजिक सहभागिता को दर्शाते हैं। समारोह में मुख्य रूप से सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, अलका सिंघल, सुधा, अंजू,

सुमन, अनीता, शालिनी, बबली, अर्चना के अलावा पूनम, अरविंद, मनीष, मनोज कुमार, नील कमल गौतम, पंकज, शिवशंकर, विमल, रितेश, आलोक अग्रवाल, राजेश, विजय, मातादीन, अजय, रमेश, नरेश, विवेक, अतुल, संचित, अशोक, रविंद्र, प्रवीण, आनंद, संजय, बृजकिशोर, अजय सिंघल, सियाराम और नरेंद्र सिंघल सहित समा के अनेक पदाधिकारी, महिलाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।

दिमागी नक्सलियों और देशभक्तों के बीच खिंची लकीर - किरेन रीजीजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि 'दिमागी नक्सलियों' और देशभक्त भारतीयों के बीच लड़ाई की लकीर खिंच गई है। रीजीजू ने लोगों से "देशद्रोहियों" को याद रखने का आह्वान भी किया। रीजीजू ने उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण द्वारा बुधस्तिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में "सत्ता परिवर्तन" संबंधी टिप्पणी किए जाने के एक दिन बाद यह टिप्पणी की है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "लड़ाई की लकीर खिंच गई है। यह दिमागी नक्सलियों और देशभक्त भारतीयों के बीच की लड़ाई है।" यह भारत के संविधान में विश्वास रखने वालों और अराजकतावादियों के बीच की लड़ाई है।" रीजीजू ने एक अन्य पोस्ट में कहा, "प्रिय देशभक्त भारतीयों... याद रखिए, अपने दुश्मनों को एक बार माफ कर दीजिए, दोस्तों को दो बार, लेकिन देशद्रोहियों को कभी माफ मत कीजिए।" उन्होंने 'एक्स' पर भूषण के दो वीडियो साझा करते हुए लिखा, "ये लोग कश्मीर एवं पूर्वोत्तर को भारत से अलग करना और देश को तोड़ना चाहते हैं।" भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रीजीजू ने कांग्रेस के एक नेता और अन्य लोगों के साथ भूषण की हाल की एक तस्वीर भी साझा की।

देश की उपासना

संपादकीय

सपा भी खेल में शामिल

वैसे उत्तर प्रदेश के मुसलमानो के मन में कोई भ्रम नहीं है। वे अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के साथ हैं क्योंकि उनको लग रहा है कि सपा ही इस बार भाजपा से लड़ने वाली मुख्य ताकत है। पिछले लोकसभा चुनाव मे उन्होंने देखा कि भाजपा के समर्थक मतदाताओं में भी अगर भाजपा से नाराजगी होती है तो वे भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ जाते हैं। संविधान और आरक्षण पर खतरे से जो वर्ग नाराज हुआ वह भाजपा को हराने के लिए सपा के साथ गया और तभी लोकसभा में सपा 37 सीट जीत कर उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसके साथ तालमेल का फायदा कांग्रेस को भी हुआ। सो, मुस्लिम मतदाताओं के मन में कोई भ्रम नहीं है। फिर भी कांग्रेस के नेता इस कोशिश में लगे हैं कि किसी तरह से समाजवादी पार्टी के मन में यह आशंका पैदा की जाए कि मुस्लिम कांग्रेस के साथ जा सकता है। इसका मकसद दबाव बना कर विधानसभा की ज्यादा सीटें हासिल करना है। हालांकि सपा को हकीकत पता है। जब लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उसके साथ आया तो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ क्यों जाएगा। इसके बावजूद सपा भी इस खेल में शामिल है। सपा ने पिछले दिनों कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के दामाद को अपनी पार्टी में शामिल कराया। इसके जवाब में कांग्रेस ने बसपा और एमआईएम के कई मुस्लिम नेताओं को पार्टी में शामिल कराया है। एमआईएम के मुखर नेता आसिम वकार पिछले दिनों कांग्रेस में शामिल हुए। अब बसपा सरकार में मंत्री रहे इजहाल हक और 2024 में बसपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े नईम अहमद को पार्टी में शामिल कराया। इससे पहले पूर्व सांसद आमिर आलम खान और उनके बेटे नवाजिश आलम खान भी कांग्रेस में शामिल हुए। नवाजिश पहले विधायक रह चुके हैं। दोनों पिता पुत्र कई पार्टियों में रहे हैं। आमिर आलम रालोद से कैराना के सांसद रहे हैं।

पोषण पुनर्वास केंद्र से लौट रही बच्चों के चेहरे की मुस्कान

बचपन यानी खेलना, दौड़ना, हंसना, सीखना और सपने देखना। लेकिन जब कोई बच्चा कुपोषण की गिरफ्त में आता है तो कमजोरी उसके शरीर के साथ उसके सामान्य बचपन को भी प्रभावित करने लगती है। ऐसे बच्चों को समय पर उपचार और पोषण देकर स्वस्थ जीवन की ओर वापस लाने में पोषण पुनर्वास केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के बीच सरगुजा जिले के शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) से सामने आ रही बच्चों की कहानियां इसी बदलाव की तस्वीर पेश करती हैं। यहां कुपोषित बच्चों को चिकित्सकीय देखभाल और पोषण पुनर्वास के साथ माता-पिता को भी बच्चे के खान-पान और देखभाल से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जा रही है। यहां किसी बच्चे का बढ़ता हुआ वजन महज तराजू पर बदलता आंकड़ा नहीं है। उसके पीछे बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति, माता-पिता की उम्मीद और स्वास्थ्यकर्मियों की सतत देखभाल जुड़ी है। यह उस बचपन को वापस पाने की कोशिश है, जिसे कुपोषण ने कमजोर कर दिया था। कुपोषण को केवल बच्चे के दुबले या कमजोर दिखाई देने तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। गंभीर कुपोषण बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता और वृद्धि-विकास को प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक पर्याप्त पोषण नहीं मिलने का असर बच्चे के शारीरिक विकास के साथ सीखने और सामान्य गतिविधियों में उसकी भागीदारी पर भी पड़ सकता है। यही कारण है कि कुपोषण की समय पर पहचान और उपचार महत्वपूर्ण है। बच्चे को उचित पोषण और चिकित्सकीय देखभाल देकर स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना उसके वर्तमान स्वास्थ्य के साथ भविष्य में निवेश भी है। जहां उपचार के साथ लौटता है बचपन पोषण पुनर्वास केंद्र गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण पुनर्वास की महत्वपूर्ण व्यवस्था है। यहां बच्चे की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति की निगरानी, आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल और पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के साथ माता-पिता को बच्चे की देखभाल तथा खान-पान से जुड़ी जानकारी भी दी जाती है। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल बच्चे का वजन बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे स्वस्थ वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाना और परिवार को ऐसी जानकारी देना भी है जिससे घर लौटने के बाद बच्चे के पोषण का बेहतर ध्यान रखा जा सके। 20 बिस्तरों का केंद्र, सैकड़ों बच्चों के लिए उम्मीद शासकीय रघुनाथ जिला चिकित्सालय, अम्बिकापुर में संचालित 20 बिस्तरों वाला पोषण पुनर्वास केंद्र कुपोषित बच्चों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद का केंद्र बन रहा है। वर्ष 2021–22 में यहां 189 बच्चों के उपचार के साथ दर्ज दर 73 प्रतिशत थी। अप्रैल से सितम्बर 2026 की अवधि में 248 बच्चों के उपचार के साथ यह दर बढ़कर 88 प्रतिशत दर्ज की गई है। इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की अनेक कहानियां हैं जो अपने कमजोर बच्चे को लेकर चिंता के साथ केंद्र पहुंचे और उपचार एवं पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद लेकर घर लौटे। शिवाशी, रश्मि, प्रतीक और युवराज के बढ़ते वजन में दिखी उम्मीद केंद्र में उपचार प्राप्त करने वाले बच्चों के रिकॉर्ड इस बदलाव को और स्पष्ट करते हैं। शिवाशी का वजन 7.6 किलोग्राम से बढ़कर 8.840 किलोग्राम, रश्मि का 9.3 किलोग्राम से 10.720 किलोग्राम, प्रतीक का 8.5 किलोग्राम से 9.370 किलोग्राम तथा युवराज का वजन 12 किलोग्राम से बढ़कर 13.980 किलोग्राम दर्ज किया गया। ये आंकड़े केवल वजन में आए बदलाव को नहीं बताते, बल्कि उपचार और पोषण पुनर्वास के बाद बेहतर वृद्धि की दिशा में बच्चों के बढ़ते कदमों की तस्वीर भी प्रस्तुत करते हैं। हर बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है और केवल वजन बढ़ने के आधार पर संपूर्ण स्वास्थ्य का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इसके बावजूद नियमित निगरानी में वजन और वृद्धि में सुधार बच्चे की पोषण स्थिति का आकलन करने के महत्वपूर्ण संकेतकों में शामिल हैं। बढ़ता वजन यानी लौटती उम्मीद कुपोषण से कमजोर बच्चा कई बार अपनी उम्र के दूसरे बच्चों की तरह सामान्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी नहीं कर पाता। बीमारी और कमजोरी परिवार की चिंता भी बढ़ाती है। ऐसे में उपचार और उचित पोषण के बाद जब बच्चे की स्थिति में सुधार दिखाई देता है, तो यह पूरे परिवार के लिए राहत लेकर आता है। माता-पिता के लिए बच्चे का स्वस्थ होना किसी आंकड़े से कहीं अधिक मायने रखता है। इसीलिए पोषण पुनर्वास केंद्र में किसी बच्चे का बढ़ता वजन केवल तराजू पर बढ़ती संख्या नहीं है। वह बच्चे की बेहतर होती पोषण स्थिति के साथ परिवार में लौटती उम्मीद की कहानी भी है। अस्पताल से घर तक जारी रहती है सुपोषण की यात्रा एनआरसी में उपचार पूरा होना महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन बच्चे को कुपोषण से दूर रखने की जिम्मेदारी इसके बाद भी जारी रहती है। घर लौटने के बाद उम्र के अनुसार पर्याप्त और विविध आहार, स्वच्छता, बीमारी के दौरान उचित देखभाल तथा बच्चे की वृद्धि की नियमित निगरानी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए एनआरसी में माता-पिता को बच्चे के पोषण और देखभाल से संबंधित व्यवहार की जानकारी देना उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उद्देश्य यह है कि परिवार स्वयं भी बच्चे की पोषण स्थिति को बेहतर बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी करे। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग सहित।

विचार

आखिर हुतियों' को नियंत्रित करने में सऊदी अरब, अमेरिका और ‘इस्लामिक नाटो’ विफल प्रतीत हो रहे हैं

कमलेश

खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने



अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी को निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं। जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर

हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक मीडिया की 12–13 अक्टूबर की रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियों और हूतियों की बढ़ती क्षमताओं का

उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्वपूर्ण एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति हूतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेबस है। दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक

उपयोगिता क्या है? दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनावड़ा गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधे टाटकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिल्लों को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सि शिया संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माथे बनाकर ईरान के शरणागत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यदि वह सुन्नी मुल्कों पाकिस्तान व तुर्किये के भ्रमजाल में फंसेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगा। पहला सवाल यह है कि हूतियों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक

दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएं हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हूतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपनेआप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा। दूसरा सवाल है कि कम लागत वाले हमले और महंगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हूती क्यों भारी पड़ रहा है? शायद इसलिए कि हूती संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। ड्रोन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएं यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सभी प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के

अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों की जांच कर रहे हैं। तीसरा सवाल यह है कि यमन का भूगोल और राजनीतिक परिस्थितियाँ हूतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भौगोलिक परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं। हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हूतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक तथा सैन्य समूह हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हूतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग-अलग चुनौतियाँ हैं। चौथा सवाल है कि आखिर इसके पीछे ईरान की भूमिका क्या है? तो जवाब होगा कि हूती आंदोलन को ईरान से समर्थन और तकनीकी सहायता मिलने की बात लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणों में सामने आती रही है। लेकिन हूतियों को केवल ईरान का निर्देश मानकर चलना भी अधूरा विश्लेषण होगा। एक अध्ययन के अनुसार, ईरान और हूतियों के हित कई मामलों में एक-दूसरे से

मेल खाते हैं, लेकिन हूतियों के अपने स्थानीय राजनीतिक उद्देश्य भी हैं। इसका कूटनीतिक अर्थ यह है कि ईरान के साथ बातचीत उपयोगी हो सकती है, लेकिन उससे हूतियों के सभी निर्णय स्वतः नियंत्रित हो जाएंगे, इसकी गारंटी नहीं है। पांचवां सवाल यह है कि आखिर अमेरिका हूतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रहा? तो जवाब होगा कि अमेरिका की स्थिति में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास हैरू वह सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करना चाहता है, लेकिन यमन में एक और व्यापक युद्ध में उलझने से भी बचना चाहता है। इसके पीछे कुछ कारण हैं एक, सैन्य कार्रवाई की सीमाएं हूती ठिकानों पर हवाई हमले उनकी क्षमताओं को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन हवाई कार्रवाई अपने आप किसी संगठन का राजनीतिक नियंत्रण समाप्त नहीं करती। अतीत के अनुभवों से भी स्पष्ट है कि लंबे सैन्य अभियान के बावजूद हूती आंदोलन को समाप्त नहीं किया जा सका। इसलिए अमेरिका के सामने केवल हमले करने का प्रश्न नहीं, बल्कि यह भी है कि सैन्य कार्रवाई के बाद स्थायी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए? दो, अमेरिका की प्राथमिकताएँरू एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने हूतियों के विरुद्ध प्रस्तावित अभियान में अमेरिकी हवाई हमलों का समर्थन मांगा था।

शिवराज सिंह चौहान के तीरवे तेवर से राज्य की राजनीति गर्माई

नीरज

मध्य प्रदेश की सियासत में इन दिनों फिर वही पुराना सवाल सिर उठाने लगा है कि क्या सूबे की राजनीति में शिवराज सिंह चौहान का दखल अब भी उतना ही दमदार है, या मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी अलग लकीर खींचने में जुटे हैं? ऊपर से सब कुछ भाजपा के अनुशासित कुनबे जैसा दिखता है, लेकिन बुधनी के कोसमी गांव से लेकर किसानों की मूंग खरीदी और लाड़ली बहना योजना तक, कुंछेन ऐसे मामले सामने आए हैं, जिन्होंने भोपाल के सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ताजा चिंगारी सीहोर जिले के कोसमी गांव से उठी है। यह वही इलाका है, जहां शिवराज सिंह चौहान की बरसों पुरानी राजनीतिक जमीन रही है। गांव में आदिवासी परिवारों के मकान हटाए जाने, फसलों को नुकसान पहुंचाने और कुओं को मिट्टी से भरने की शिकायतों पर शिवराज ने अपनी ही पार्टी की सरकार के अधिकारियों को कठघरे में खड़ा कर दिया। उनका रुख साफ था कि सरकार किसी की भी हो, गरीब और आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की और मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात करने की बात कही। देखा जायें तो राजनीति में बात सिर्फ इतनी नहीं है कि किसी गांव में मकान टूटे और एक नेता ने नाराजगी जता दी। सवाल यह है कि शिवराज ने यह आवाज उठाए उन सरकार के खिलाफ उठाई है, जिसके मुखिया उनकी ही पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। मोहन यादव ने भी मामले को हल्के में नहीं लिया। उन्होंने मुख्य सचिव से जांच कराने और प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आवास तथा भोजन की व्यवस्था करने की बात कही। दूसरी तरफ, कलेक्टर की रिपोर्ट में न भूमि पर अतिक्रमण और सागौन के पौधों को नुकसान पहुंचाने के आरोप सामने आए। यानी मामला केवल सियासी बयानबाजी का नहीं, बल्कि वन संरक्षण, प्रशासनिक कार्रवाई और आदिवासी परिवारों के अधिकारों का भी है। जाने, फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायतों के अधिकारों का भी है। लेकिन मध्य प्रदेश की राजनीति में हर घटना का एक स्थानीय और एक राजनीतिक अर्थ होता है। कोसमी का मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि शिवराज ने जिस इलाके में लंबे समय तक अपनी राजनीतिक का ममला बनाई, वहीं की घटना पर उनका इस तरह सामने आना कई

सवाल खड़े करता है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल अपने मतदाताओं के प्रति जवाबदेही है, या इसके पीछे भोपाल की सत्ता के साथ तालमेल का कोई बड़ा सवाल भी छिपा है? इस कहानी का दूसरा सिरा लाड़ली बहना योजना का भी जुड़ता है। शिवराज की राजनीति की पहचान अभी इस योजना ने प्रदेश में महिलाओं के बीच उनकी अलग छवि बनाई। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से योजना के खर्च को भारी बताने वाली टिप्पणी ने पुरानी राजनीतिक विरासत और मौजूदा सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर बहस छेड़ दी है। शिवराज के लिए यह योजना महज सरकारी खर्च का हिसाब नहीं, उनकी राजनीतिक पहचान का भी हिस्सा है। वहीं, मौजूदा सरकार के सामने बजट, दूसरी योजनाओं और विकास कार्यों के बीच संतुलन बैठाने की चुनौती है। तीसरा संकट किसानों का है। मूंग की खरीदी को लेकर जन किसान परेशान हुए, तब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खरीद तय करने की मांग की। राज्य सरकार को आखिरकार खरीदी बढ़ाने की मांग पर सहमति देनी पड़ी।

देखा जाये तो यहां भी तस्वीर दिलचस्प है। केंद्र में मंत्री शिवराज, राज्य में मुख्यमंत्री मोहन यादव और बीच में किसान, जिनकी फसल और भुगतान का सवाल सीधे सरकार की जवाबदेही से जुड़ा है। शिवराज का हस्तक्षेप किसानों के लिए मददगार हो सकता है, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह राज्य सरकार पर दबाव भी बनाता है। यही वजह है कि शिवराज बनाम मोहन की चर्चा बार-बार लौट आती है। एक तरफ शिवराज हैं, जिनकी पहचान लंबे मुख्यमंत्री कार्यकाल, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रदेश के गांव-गांव में बने पुराने संपर्कों से जुड़ी है। दूसरी तरफ मोहन यादव हैं, जिन्हें अपनी सरकार की नीतियों, प्रशासनिक फैसलों और नेतृत्व की अलग पहचान स्थापित करनी है। दोनों की भूमिकाएं अलग हैं, मगर प्रदेश की राजनीति में उनका अंतर एक-दूसरे से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। फिर भी, हर मतभेद को मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई मान लेना जल्दबाजी होगी। भाजपा में संगठन का अपना अनुशासन और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका है। अभी तक सामने आई घटनाएं प्रशासन, किसान

नीति और राजनीतिक विरासत पर मतभेद दिखाती हैंय मगर वे किसी औपचारिक सत्ता-संघर्ष को साबित नहीं करती। फिलहाल मध्य प्रदेश की राजनीति का असली इम्तिहान बयानों से आगे होगा। कोसमी की जांच में क्या कार्रवाई होती है, प्रभावित परिवारों को क्या राहत



मिलती है, लाड़ली बहना योजना को लेकर राज्य सरकार क्या फैसला करती है और किसानों की खरीदी व्यवस्था कितनी दुरुस्त होती है, इन सवालों के जवाब ही आगे की तस्वीर साफ करेगे। बहरहाल, भोपाल की सियासत में मामा शिवराज की हुंकार अब भी गूंज रही है, तो मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अपने फैसलों से सत्ता पर अपनी पकड़ और नेतृत्व

की लकीर खींचने में जुटे हैं। दोनों के बीच सियासी खिंचाव की आहट साफ सुनाई दे रही है, लेकिन इसे खुली जंग का नाम देना अभी जल्दबाजी होगी। असली तस्वीर तब खुलेगी जब यह सामने आये कि कोसमी के मामले में सरकार के कदम क्या होते हैं, लाड़ली बहना

राहुल गांधी का सच, जिससे भाजपा हार गई

गोपाल

राहुल गांधी की स्वीकार्यता इसीलिए बढ़ती जा रही है। इंडिया ब्लॉक के साथ-साथ अब सिविल सोसायटी से जुड़े वे लोग जो कभी राहुल गांधी की राजनीति और रणनीति पर संदेह जताते थे, उन्हें भी अब मानना पड़ रहा है कि राहुल गांधी ने भाजपा, संघ, अड़ानी-अंबानी आदि के आपसी संबंधों और इन सबको



लेकर देश पर कब्जा करने की कोशिश के बारे में जो भी कहा है, वो सही है। राहुल गांधी को जब भाजपा किसी तरह हरा नहीं पाती है, तो आखिर में उनके चरित्र हनन पर उतर आती है। यहां हराने से मतलब चुनाव में हराना नहीं है। बल्कि आशय भारत के लोकतंत्र और संविधान बचाने के उनके संघर्ष में हराने से है। इस संघर्ष में राहुल गांधी पहले लगभग अकेले ही चले थे, तब भट्टा परसौल

और नियामगिरी के जंगलों में फूंजीवादी ताकतों के सामने खड़े लोगों का साथ देने का उनका मकसद था। फिर धीरे-धीरे संघर्ष का दायरा बढ़ता चला गया और साथ ही राहुल गांधी के आसपास खड़े होने वाले लोगों का भी। मजरूह सुलतानपुरी की पंक्तियों पर संदेह जताते थे, उन्हें भी अब मानना पड़ रहा है कि राहुल गांधी ने भाजपा, संघ, अड़ानी-अंबानी आदि के आपसी संबंधों और इन सबको

इतना बड़ा कर दिया है कि उनके प्रतिद्वंद्वी भी साथ आने लगे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के वक्त राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि उन्होंने शराहुल गांधी को सालों पहले पीले छोड़ दिया है। नवंबर 2022 में दिए गए इस बयान में उनका कहना था कि पुराने शराहुल गांधीर (जो मीडिया या राजनीतिक आलोचनाओं से प्रभावित होते थे) को वे पीछे छोड़कर वे एक नए रूप में जनता से जुड़ रहे हैं।सत्ता के अहंकार में डूबी भारतीय जनता पार्टी ने तब न केवल भारत जोड़ो यात्रा के असर को नजरअंदाज किया, बल्कि अपनी पुरानी रणनीति को ही कारगर मानते हुए, उसी पर पैसे फूंकती रही। भाजपा की नजर में किसी भी राजनेता की सफलता उसकी चुनावी जीत से ही तय होती है। लेकिन खम पूरे संसाधन और संस्थानों पर कब्जा कर एकतरफा चुनाव कराए जा रहे हों, निष्पक्षता और पारदर्शिता को पूरी तरह खत्म कर दिया गया हो, तब जीत भी एकतरफा ही होती है, यह इस समय देश देख रहा है। तो भारत जोड़ो यात्रा को इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि उसके बाद भी कांग्रेस की सरकार नहीं बन पाई। बल्कि उसके बाद भाजपा को बहुमत नहीं मिला, यह तथ्य याद रखा जाना चाहिए। इसमें नीतीश कुमार जैसे लोगों को कैसे भाजपा ने

अपनी तरफ मिलाया, ऐसी कई कहानियां भी भाजपा की जीत के साथ जुड़ी हुई हैं।बहरहाल, भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की असली पहचान जनता से करवा दी। जनता ने देखा कि जिस शख्स को भाजपा ने पम्पू कहकर मूर्ख बताने का प्रचार किया, वह तो असल में भारत की असली संस्कृति, उदार इतिहास और समावेशी ताने-बाने को अच्छे से समझता है। जिस शख्स को भाजपा ने युवराज, शाहजादा, राहुल बाबा, जसी गाय का बछड़ा आदि अपशब्द कहे, वह तो साधारण कपड़ों में पैदल पूरे देश में बिना किसी तामझाम के चल पड़ा। रात को कहीं भी सोना, किसी के भी साथ खाना खाना, चाय पीना, कहीं कोई दिखावा ही नहीं है। फकीरी अगर किसी को कहते हैं तो वह सही मायने में राहुल गांधी ने ही दिखाई। जिस शख्स को भाजपा ने उसके परिवार के नाम पर बार-बार अपमानित किया। उस परिवार ने तो दो-दो शहादतें दीं और खुद राहुल गांधी ने कहा कि मेरी सफेद टी शर्ट इस समय देश देख रहा है। तो भारत जोड़ो यात्रा को इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि उसके बाद भी कांग्रेस की सरकार नहीं बन पाई। बल्कि उसके बाद भाजपा को बहुमत नहीं मिला, यह तथ्य याद रखा जाना चाहिए। इसमें नीतीश कुमार जैसे लोगों को कैसे भाजपा ने

कांग्रेस अपने युवराज को लॉच कर रही है, यानी उन्हें राजनीति में जगह दिलाने की कोशिश कर रही है। मगर राहुल गांधी 2004 से लगातार सांसद हैं, और समूचे विपक्ष ने लोकसभा में उन्हें अपना नेता बनाया है, तो यह ने पम्पू कहकर मूर्ख बताने का प्रचार किया, वह तो असल में भारत की असली संस्कृति, उदार इतिहास और समावेशी ताने-बाने को अच्छे से समझता है। जिस शख्स को भाजपा ने युवराज, शाहजादा, राहुल बाबा, जसी गाय का बछड़ा आदि अपशब्द कहे, वह तो साधारण कपड़ों में पैदल पूरे देश में बिना किसी तामझाम के चल पड़ा। रात को कहीं भी सोना, किसी के भी साथ खाना खाना, चाय पीना, कहीं कोई दिखावा ही नहीं है। फकीरी अगर किसी को कहते हैं तो वह सही मायने में राहुल गांधी ने ही दिखाई। जिस शख्स को भाजपा ने उसके परिवार के नाम पर बार-बार अपमानित किया। उस परिवार ने तो दो-दो शहादतें दीं और खुद राहुल गांधी ने कहा कि मेरी सफेद टी शर्ट इस समय देश देख रहा है। तो भारत जोड़ो यात्रा को इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि उसके बाद भी कांग्रेस की सरकार नहीं बन पाई। बल्कि उसके बाद भाजपा को बहुमत नहीं मिला, यह तथ्य याद रखा जाना चाहिए। इसमें नीतीश कुमार जैसे लोगों को कैसे भाजपा ने

एसआईआर के जरिए वोट चोरी के खिलाफ खड़े हुए आंदोलन की अगुवाई भी राहुल गांधी ही कर रहे हैं। सोमवार को उनके एक आह्वान पर लाखों लोग सुप्रीम कोर्ट की तरफ मार्च करने के लिए जुट गए। भाजपा के लिए यह सब अप्रत्याशित था। क्योंकि हां, जय शाह को बिना किसी अनुभव के सीधे बीसीसीआई की कमान सौंप देना जरूर लॉचिंग थी। बहरहाल, राहुल गांधी की राजनैतिक समझ ऐसी है कि नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन, कोरोना वैक्सीन, शेयर मार्केट के उतार-चढ़ाव, रूपए की गिरती कीमत, अमेरिका के सामने समर्पण और अब वोट चोरी, जब जो उन्होंने कहा, वही कुछ समय बाद सच हो गया। यह सब किसी ज्योतिषी की तरह भविष्यवाणी करने का काम नहीं था, हिंदुस्तान में धूम-धूमकर, लोगों को नब्ज टटोलकर देश को समझने का काम था।राहुल गांधी की स्वीकार्यता इसीलिए बढ़ती जा रही है। इंडिया ब्लॉक के साथ-साथ अब सिविल सोसायटी से जुड़े वे लोग जो कभी राहुल गांधी की राजनीति और रणनीति पर संदेह जताते थे, उन्हें भी अब मानना पड़ रहा है कि राहुल गांधी ने भाजपा, संघ, अड़ानी-अंबानी आदि के आपसी संबंधों और इन सबको

देश की उपासना

गायब व्यक्ति की लाश बसुई नदी में मिली

जौनपुर। मड़ियाहूँ थाना क्षेत्र के गोपालापुर दुबान गांव में स्थित नदी में दो दिनों पहले घर से मछली खरीदने निकले व्यक्ति की लाश मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया है। मृतक की पहचान श्यामजीत के रूप में हुई है।बताते है। कि बुधवार की शाम को अपने घर से मछली खरीदने की बात कहकर निकला हुआ था। देर रात हो जाने पर जब वह घर वापस नहीं लौटकर आया तो परिजनों को उसकी चिंता होने लगी। परिजनों ने उसे रिश्तेदारों समेत कई स्थानों पर काफी तलाश किया लेकिन उसका पता नहीं चल सका। शुक्रवार की सुबह गोपालापुर दुबान गांव में स्थित बसुही नदी में देखी गई। लाश देखकर ग्रामिणों की अच्छी खासी भीड़ एकत्रित हो गई। किसी तरह घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो पूरा परिवार रोते बिलखते वहां पहुंच गया। परिजन आशंका जता रहे हैं कि उसकी हत्या कर लाश को ठिकाने लगाने की नियत से नदी में फेंक दी गई। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी रेखा देवी और एक दस साल की बेटी है। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तीन दुकानों से लाखों की चोरी

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के गभिरन बाजार में आधी रात चोरों ने आराम से चोरी कियां । चोरों ने देसी शराब के ठेके समेत तीन दुकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये नकदी रुपये पार कर दिया है। एक ही रात में तीन दुकानों में चोरी की घटना से बाजार के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, चोरों ने सबसे पहले देसी शराब के ठेके को निशाना बनाया। ठेका संचालक कतवारु पाल के यहां से 96 हजार रुपये चोरी होने की बात सामने आई है। इसके बाद चोरों ने मोनू किराना मचैट की दुकान से 93 हजार रुपये और कपड़ा व्यवसायी विशाल मोर्य की दुकान से 65 हजार रुपये पर हाथ साफ कर दिया। तीनों दुकानों से कुल 2 लाख 54 हजार रुपये की नकदी चोरी होने की जानकारी मिली है। आधी रात हुई इस वारदात ने बाजार की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक साथ तीन दुकानों में चोरी की घटना से कारोबारी सहमे हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू कर दी।

जनसेवा केंद्र से लाखों का सामान चोरी

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत केराकत सरकी रोड पर अकबरपुर तालाब के पास स्थित जनसेवा केंद्र का ताला तोड़कर चोर इन्वर्टर, बैटरी, लैपटॉप, प्रिंटिंग मशीन और करीब 12 हजार रुपये नकद उठा ले गए। घटना के बाद इलाके में चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है। सरोज बड़ेवर निवासी राहुल यादव का अकबरपुर तालाब के पास मुख्य सड़क पर जनसेवा केंद्र है। बीती रात चोरों ने केंद्र को निशाना बनाते हुए पहले ताला तोड़ा, फिर अंदर रखा कीमती सामान और नकदी समेटकर फरार हो गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर संचालक को चोरी का पता चला। जनसेवा केंद्र से जरूरी उपकरण और नकदी चोरी होने से उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और जनसेवा केंद्र से हुई चोरी का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

एआई एवं एमएल लर्निंग के व्याख्यान का समापन

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फ़ैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ‘ एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज ’ के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। “क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम ” विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है । मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का योगदान रहा।

मतदान कार्मिकों का दो पालियों में प्रषिक्षण

जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारीभिजलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन के दृष्टिगत मतदान कार्मिकों का द्वितीय प्रषिक्षण दो पालियों में आयोजित किया गया। प्रषिक्षण में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों के अधिकारों, कर्तव्यों तथा मतदान सामग्री के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गयी। इसके साथ ही खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन में अमित स्याही लगाने की प्रक्रिया, मतपेटिका को खोलने एवं बंद करने तथा हैंड्स–ऑन प्रषिक्षण के माध्यम से मतपेटिका में पेपर सील लगाने का व्यावहारिक प्रषिक्षण प्रदान किया गया।

निर्देशित किया कि सभी मतदान कार्मिक प्रषिक्षण में उपलब्ध कराई गई अध्ययन सामग्री का भली–भांति अध्ययन कर लें तथा प्रषिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की शंका होने पर संबंधित प्रभारी अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर उसका समाधान सुनिश्चित करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह, मुख्य राजस्व अडिाकारी अजय अम्बष्ठ, परियाजना निदेशक के0 के0 पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी सहित अन्य उपस्थित रहे।

पान की खेती की आधुनिक तकनीक सीखेंगे जौनपुर के किसान, सात दिवसीय प्रशिक्षण पर रवाना

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में गुणवत्तायुक्त पान उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिले के पान उत्पादक किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए गुणवत्तायुक्त पान उत्पादन को प्रोत्साहन योजना के तहत 14 से 20 अक्टूबर तक सात दिवसीय अंतरराज्यीय प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें किसानों को उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में प्रशिक्षण एवं कृषि प्रक्षेत्रों का भ्रमण कराया जाएगा।

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा ने 14 अक्टूबर को लोहिया पर्यावरणीय उद्यान पार्क के पास से बस को हरी झंडी दिखाकर किसान दल को रवाना किया। वर्ष 2026–27 के अंतर्गत संचालित इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को पान की खेती न नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक उत्पादन प्रबंधन और उन्नत कृषि

‘पुलिस की मौजूदगी में आयुर्वेद चिकित्सक से मारपीट पर उठे सवाल’



‘ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘शाहजहाँपुर’ शेखर अस्पताल प्रकरण में उपचाराधीन महिला की मृत्यु के बाद आयुर्वेद चिकित्सक के साथ हुई मारपीट और कथित जानलेवा हमले को लेकर आयुर्वेद चिकित्सकों में गहरा आक्रोश है। इस संबंध में आयुर्वेद चिकित्सकों के प्रतिनिधिर्मंडल ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यालय में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष डॉ विजय जौहरी से भेंट कर प्रकरण में सहयोग और न्याय की मांग की। डॉ जौहरी ने सर्वप्रथम दिवंगत महिला के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट की। इसके बाद उन्होंने चिकित्सक पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की, डॉ विजय जौहरी ने कहा कि किसी रोगी की मृत्यु परिवार के लिए अत्यंत दुखद होती है और उस पीड़ा के प्रति संवेदना रखना प्रत्येक व्यक्ति का मानवीय कर्तव्य है। लेकिन किसी की मृत्यु के दुख और आक्रोश को किसी ऐसे चिकित्सक के विरुद्ध हिंसा का आ्ार नहीं बनाया जा सकता, जिसका संबंधित रोगी के उपचार से प्रत्यक्ष संबंध ही न हो। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आयुर्वेद चिकित्सक घटना के समय अपनी नियमित ज्यूटी पर तैनात नहीं थे, बल्कि आवश्यक निजी कार्य से अस्पताल गए थे। ऐसे में

घटना की वास्तविक परिस्थितियों और चिकित्सक की भूमिका की निष्पक्ष जाँच होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि रोगी के उपचार, अस्पताल की व्यवस्था अथवा किसी चिकित्सकीय निर्णय को लेकर शिकायत थी, तो अस्पताल प्रबंधन से जवाब माँगा जाना चाहिए था, आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर नियमानुसार जाँच और कानूनी कार्यवाही कराई जा सकती थी। किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेकर मारपीट करने या किसी चिकित्सक पर हमला करने का अधिकार नहीं है। डॉ जौहरी ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि घटना के समय पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, तो उनकी मौजूदगी में चिकित्सक के साथ मारपीट कैसे हुई? चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि पुलिस की उपस्थिति में भी चिकित्सक सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिक और चिकित्सा समुदाय अपनी सुरक्षा को लेकर किस पर भरोसा करें? उन्होंने घटना के समय मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की भूमिका की जाँच करने तथा यह स्पष्ट करने की मांग की कि हिंसा रोकने के लिए तत्काल यथा कदम उठाए गए। उन्होंने यह भी मांग की कि घटना से संबंधित उपलब्ध वीडियो फुटेज, सीसीटीवी रिकॉर्डिंग तथा पत्रकारों और अन्य लोगों द्वारा मोबाइल फोन

वरिष्ठजनों के अधिकार और सहायता पर चर्चा

जौनपुर। जनता जनार्दन इण्टर कालेज इण्टर कालेज मेंहंदी मछलीशहर, जौनपुर” में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं” के विषयों पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सुशील कुमार सिंह, सिविल जज द्वारा वरिष्ठ जन लोगों के अधिकार और

कर्तव्य तथा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाएं अटल पेंशन योजनाएं एवं सहायता प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क दी जा रही सुविधाएं पाक्सो अधिनियम अधिकार और कर्तव्य विधिक जागरूकता बालिकाओं के जागरूकता और



पद्धतियों की जानकारी देना है। कार्यक्रम के तहत किसान दल ने 14 अक्टूबर को जौनपुर से औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र, मलिहाबाद (लखनऊ) के लिए प्रस्थान किया। 15 अक्टूबर को प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के बाद किसान चित्रकूट, कृषि विश्वविद्यालय बांदा और पान शोध केंद्र महोबा में प्रशिक्षण एवं भ्रमण करेंगे। इसके बाद छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों में प्रशिक्षण लेने के साथ कृषक प्रक्षेत्रों

का भ्रमण करेंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन 20 अक्टूबर को किसान दल जौनपुर लौटेगा। जिला उद्यान अडिाकारी ने बताया कि प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम से किसानों का तकनीकी ज्ञान बढ़ेगा। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनकर किसान पान की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार कर सकेंगे। इससे जिले में पान की खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

से बनाए गए फोटो एवं वीडियो की जाँच कराई जाए। इन साक्ष्यों के आधार पर घटना के क्रम, संबंधित व्यक्तियों की भूमिका और पुलिस की मौजूदगी में हुई कार्यवाही की वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या कर्तव्य में चूक पाई जाती है, तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्यवाही होनी चाहिए। डॉ जौहरी ने कहा कि चिकित्सकों की सुरक्षा केवल चिकित्सक समुदाय का मुद्दा नहीं, बल्कि जनहित से जुड़ा प्रश्न है, उन्होंने प्रशासन से मांग की कि घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जाँच कराई जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही हो और पुलिस की भूमिका की भी जाँच की जाए। यदि समयबद्ध कार्यवाही नहीं होती है, तो आयुर्वेद चिकित्सक उच्चधिकारियों से मिलकर न्याय की मांग करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर लोकतांत्रिक एवं विधिसम्मत तरीके से आंदोलन करेंगे। चिकित्सकों ने स्पष्ट संदेश दिया कि रोगी की मृत्यु पर संवेदना और चिकित्सक पर हमले के विरुद्ध न्याय की मांग दोनों एक साथ हो सकती हैं। किसी भी व्यक्ति को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता और किसी निर्दम चिकित्सक को भीड़ के आक्रोश का निशाना नहीं बनने दिया जाना चाहिए। आयुर्वेद चिकित्सकों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि दशहरा पर्व के उपरांत सभी चिकित्सक एकजुट होकर आगामी आंदोलनात्मक एवं कानूनी कार्यवाही की रणनीति को अंतिम रूप देंगे। तब तक वैधपूर्वक प्रतीक्षा की जाएगी, लेकिन न्याय के लिए आवाज बुलंद करने का संकल्प कायम रहेगा। इस भेटवार्ता में पर डॉ अभिनव सक्सेना,डॉ रोहित वर्मा ,डॉ हितेश गुप्ता,डॉ गौरव गुप्ता,डॉ अतुल जौहरी,डॉ रवि सक्सेना,डॉ मुजीब,डॉ ए के यादव,डॉ सुंधाश कनौजिया आदि कई चिकित्सकों ने अपने अपने विचार प्रकट किये।

जौनपुर, शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026 3

श्रीराम चंद्र जी का चरित्र अनुकरणीय है – ज्ञान प्रकाश सिंह



व झांकी कार्यक्रम तथा 21 से 29 अक्टूबर 2026 तक सुविख्यात कथावाचक श्री शान्तनु महाराज द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली श्रीराम कथा का रसपान कर अपने जीवन को धन्य बनाने की अपील की। इसके पूर्व श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष योगेश श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, रमेश चन्द्र जायसवाल, सत्यम श्रीवास्तव, अंकित श्रीवास्तव, दीपक शवास्तवआदि ने मात्‍यार्पण

कर स्वागत किया।कार्यक्रम का संचालन अंकित श्रीवास्तव तथा अध् यक्षता वंशनरायण सिंह ने किया।इस अवसर पर मिताई जायसवाल, संजय श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह,, व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जायसवाल,सुजीत चौहान,अजय बेनवंशी,सोनू यादव,भूपेश श्रीवास्तव, ज्ञानेश श्रीवास्तव सहित भारी लोग व श्रीरामलीला समिति के लोग उपस्थित रहे।

कलाम के सपनों को साकार करेंगे युवा - पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह



ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के सौदागर हॉल में गुरुवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर ‘उड़ान कलाम मंच’ के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पूर्व आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने युवाओं से ज्ञान, अनुशासन और परिश्रम के बल पर अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अभिषेक सिंह ने कहा कि युवा अपनी प्रतिभा पहचानें, असफलताओं से सीखें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। डॉ. कलाम का जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से साधारण परिस्थितियों में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह ने की। उन्होंने युवाओं से स्पष्ट लक्ष्य नि

र्गित कर अनुशासन, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की अपील की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. कलाम के जीवन, सादगी, वैज्ञानिक उपलब्िां और राष्ट्रप्रेम पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाटकों और लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह ने की। उन्होंने युवाओं से स्पष्ट लक्ष्य नि

पत्रकारिता जगत के पुरोधा थे चंद्रेश मिश्र

क्रान्ति युग में ग्रामीण युवाओं के समक्ष संभावनाएं एवं चुनौतियां में कार्यक्रम के मुख अतिथि प्रो0 राम मोहन पाठक पूर्व कुलपति दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा चेन्नई ने कहां चंद्रेश मिश्र ग्रामीण अंचल में पत्रकारिता जगत के पुरोधा थे। उनका समग्र जीवन पत्रकारिता जगत के लिए अनुकरणीय रहा। विशिष्ट अतिथि शशिधर पाठक ने स्वतंत्रता प्रो प्र मनोज मिश्र जनसंचार विभागाध्यक्ष पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर ने अपनी स्वरचित कविता को पढ़कर पंडित चंद्रेश मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित किया। संचालन प्रो रमेश मणि त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य ने किया। द्वितीय सत्र में विमर्श गोष्ठी आयोजित हुआ गोष्ठी का विषय पत्रकारिता एवं पं. चंद्रेश मिश्र का मानक संदर्भ सूचना

राम जन्म होते ही जय श्रीराम के जयकारे गुंजे

हो गया। रामलीला की शुरुआत नारद मोह प्रसंग से हुई। कलाकारों ने देवर्षि नारद के तप, उनके मन में उत्पन्न मोह और भगवान विष्णु की लीला को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने संदेश दिया कि मनुष्य को अहंकार और मोह से दूर रहकर विनम्रता तथा विवेक के मार्ग पर चलना चाहिए। मंच पर कलाकारों की भाव–भंगिमाओं और संवाद अदायगी ने दर्शकों को बांधे रखा। इसके बाद भगवान श्रीराम के जन्म की लीला का मंचन हुआ। अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्म का दृश्य प्रस्तुत होते ही श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरा परिसर

जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजने लगा। दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहव्ि न किया। राम जन्मोत्सव के दौरान वातावरण में उत्सव और उल्लास की छटा देखने को मिली। श्रद्धालुओं के चेहरों पर प्रसन्नता और मन में भक्ति का भाव स्पष्ट नजर आया। इसके पश्चात ताड़का वध की लीला का मंचन किया गया। भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के वन गमन, ऋषि–मुनियों की रक्षा के संकल्प तथा राक्षसी ताड़का के वध के प्रसंग को कलाकारों ने जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इस दृश्य ने दर्शकों में विशेष उत्साह भर दिया। लीला के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय और धर्म की रक्षा का संदेश दिया गया।

दुर्गा पूजा–दशहरा पर सुरक्षा का सरव्त पहरा, व्यवस्थाएं समय से दुरुस्त करने के निर्देश



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर) अयोध्या।दुर्गा पूजा और दशहरा को सकुशल संपन्न कराने के लिए मंडलायुक्त राजेश कुमार और डीआईजी सुमन वर्मा ने गुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मूर्ति स्थापना,

विसर्जन, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था समय से पूरी करने के निर्देश दिए।मंडलायुक्त ने रामलीला स्थलों पर एंटी रोमियो स्कॉड की तैनाती और धार्मिक आयोजनों में अश्लील गीत–संगीत पर रोक सुनिश्चित करने को कहा। डीआईजी ने विसर्जन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की जांच

महिला एसओ आशा शुक्ला के निर्देश पर महिला पुलिस कर्मी दुर्गा पूजा पंडालों पर जाकर महिलाओं व बेटियों को कर रही जागरूक



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या।गुरुवार को देर शाम दुर्गा पूजा और रामलीला के दौरान महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के निर्देश पर महिला पुलिस कर्मियों ने मिशन शक्ति अभियान के तहत शहर के दुर्गा पूजा व रामलीला स्थलों पर

जाकर महिलाओं और बेटियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।इस मौके पर मिशन शक्ति टीम ने रामलीला स्थलों, दुर्गा पूजा पंडालों, स्कूल कालेज और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया।इस मौके पर इन महिला पुलिस कर्मियों ने दुर्गा पूजा पंडाल पर आए हुए

‘जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक’



‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘हरदोई’ आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन –2027 के दृष्टिगत मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एवं मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों से अपेक्षा की कि

मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंे 1 में अपने सुझाव शीघ्र उपलब्ध करा दें, जिससे नियमानुसार जांचोपरांत अग्रिम कार्यवाही की जा सके। बैठक में जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 17 एवं 24 अक्टूबर, 2026 को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इन दिवसों पर संबंधित मतदेय स्थलों पर पूर्वान्ह 10 बजे

सीओ रुदौली अरविन्द सोनकर ने पुलिस कर्मियों के साथ बाइक से निकलकर दुर्गा पूजा व विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण



अयोध्या।दुर्गा पूजा और प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।शुक्रवार को सीओ रुदौली अरविंद सोनकर ने पुलिस

कर्मियों के साथ कस्बा रुदौली से थाना बाबा बाजार क्षेत्र के रेछ घाट तक विसर्जन मार्ग का बाइक से स्थलीय निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने दुर्गा पूजा पंडालों और

और भंडारा स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए।जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने मूर्ति स्थापना और विसर्जन से जुड़े विवादों का तत्काल निस्तारण करने तथा परिक्रमा और विसर्जन मार्गों के कार्य समय से पूरे कराने को कहा।एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने सभी सर्किल के सीओ और एसडीएम को मोटरसाइकिल से विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था परखने के निर्देश दिए।बैठक में विसर्जन घाटों पर भीड़ नियंत्रण, यातायात डायवर्जन, सड़कों की मरम्मत और विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर दिया गया।सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और संवेदनशील स्थलों की कमियां दूर करने को कहा गया। रावण दहन स्थलों का निरीक्षण कर पुतलों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने और आतिश बाजी में सुरक्षा मानकों का पालन कराने के निर्देश भी दिए गए।

महिलाओं व बेटियों को कंपलेट व पोस्टर के माध्यम से महिला सशक्तीकरण तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न चत्कारी योजनाओं की जानकारी दी गई।इनमें बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, विधवा पेंशन और वृद्धावस्था पेंशन प्रमुख रहीं।उन्होंने पर्व के दौरान अराजक तत्वों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। उन्होंने महिला हेल्पलाइन 1090, 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइड्रन हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी भी दिया।

से अपरान्ह 04 बजे तक बूथ लेवल अधिकारियों की उपस्थिति में पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने तथा नामों में संशोधन आदि के लिए निर्धारित प्रपत्र भरने की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने–अपने बूथों पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कराएं, जिससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में सहयोग मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए समन्वय के साथ कार्य किया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप सभी कार्यवाहियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक संबंधिात अधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग तथा प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया गया।इस मौके पर उन्होंने पुलिस कर्मियों व आयोजकों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये,ताकि विसर्जन कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो सके।इस मौके पर सीओ रुदौली ने दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों से पंडालों के आसपास शांति

व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अराजकता या संदिग्ध गतिविधि 1 की जानकारी मिलने पर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें। त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों पर पुलिस की नजर रहेगी।

दुर्गा पूजा व रामलीला के दौरान महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला पुलिस कर्मियों के साथ किया पैदल गस्त



अयोध्या। दुर्गा पूजा और रामलीला मंचन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रदान करने व रखने और अराजक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए गुरुवार की देर रात महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपने टीम के साथ शहर के प्रमुख मार्गों और दुर्गा पूजा पंडालों में पैदल गश्त किया।इस मौके पर उन्होंने सुरक्षा

व्यवस्था का जायजा लेने के साथ श्रद्धालुओं से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी लिया।इसके साथ ही साथ उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करने तथा असामाजिक और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने के उद्देश्य से पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों का निरीक्षण

अयोध्या में 17 अक्टूबर 2026 को होगा गुजराती संस्कृति, पारंपरिक गरबा, आधुनिक संगीत और मनोरंजन का अनूठा संगम



अयोध्या (DKU live ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।आगामी 17 अक्टूबर 2026, शनिवार को शाम 6 बजे से गुप्तार घाट गार्डन, अयोध्या में ‘गरबा उत्सव अयोध्या–2026’ का भव्य आयोजन किया जाएगा। ओमेक्स बी टुगेदर द्वारा प्रस्तुत एवं सनी टोयोटा के सह–प्रायोजन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन आयाम हब द्वारा किया जा रहा है, जिसमें कवच आयोजन स्थल सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य अयोध्या के युवाओं, परिवारों और संगीत से प्रेमियों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के साथ आधुनिक मनोरंजन का आनंद एक ही स्थान पर लिया जा सके। मुंबई की सेलिब्रिटी डीजे नेहा होंगी मुख्य आकर्षण कार्यक्रम में मुंबई की प्रसिद्ध सेलिब्रिटी डीजे नेहा अपनी ऊर्जावान प्रस्तुतियों से

दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगी। वहीं डीजे रवि पंजाबी ओपनिंग डीजे के रूप में अपने शानदार म्यूजिक मिक्स के साथ उत्सव की शुरुआत करेंगे। पारंपरिक गुजराती गरबा, बॉलीवुड बीट्स और आधुनिक डीजे संगीत का यह अनूठा संयोजन युवाओं के साथ–साथ हर आयु वर्ग के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। गरबा के साथ मिलेगा खास वेडिंग एक्सपीरियंस इस बार आयोजन को केवल गरबा नाइट तक सीमित न रखते हुए एक संपूर्ण फेस्टिवल एक्सपीरियंस के रूप में तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में एनर्जेटिक गरबा, फूड स्टॉल्स, गेम जोन, सेलिब्रिटी डीजे और विशेष वेडिंग एक्सपीरियंस जैसी आकर्षक गतिविधियां शामिल होंगी। विशेष रूप से वेडिंग एक्सपीरियंस के अंतर्गत आयोजन स्थल पर विवाह समारोह से प्रेरित आकर्षक सजावट और

प्ले वे मोंटेसरी स्कूल में नन्हें–मुन्नों ने किया डांडिया, पर्व का उत्साह



(डॉं अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या।शहर के खिड़की अली बेग स्थित प्लेवे मोंटेसरी स्कूल में शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रधानाचार्य नीरा कपूर और प्रबंधक

सुप्रीत कपूर ने किया।इसके बाद नन्हें–मुन्ने बच्चों द्वारा मनमोहक डांडिया कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।जो आकर्षण का केंद्र रहा। रंग–बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने डांडिया की थाप पर जमकर नृत्य किया। इस दौरान बच्चों के साथ उनकी शिक्षिकाएं और ग्रध

सुरियावां से जारी हुए पूर्वाचल, उत्तीसगढ़–झारखंड के लोगों के भी जन्म प्रमाणपत्र

भदोही, (संवाददाता)। भदोही जिले में 250 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने वाले गिरोह ने झारखंड की फातिमा और छत्तीसगढ़ के महेश कुमार को सुरियावां के भोरी गांव के निवासी बना दिया। अवैध ढंग से पैसे कमाने की चाह में जालसाजों ने राष्ट्रीय सुरक्षा और नियमों को भी ताक पर रखा। आजमगढ़, गोरखपुर ही नहीं झारखंड और छत्तीसगढ़ के लोगों का भी भोरी गांव से प्रमाणपत्र जारी कर दिया। फर्जीवाड़े पर जिले के अफसरों की नजर नहीं पड़ी, लेकिन अप्रैल में

समीक्षा बैठक के दौरान लखनऊ में महानिदेशक स्वास्थ्य ने मामले को पकड़ लिया था। जिले में नामित अफसरों ने जांच की तो फर्जीवाड़े की परत खुलनी शुरू हो गई। शासन के निर्देशानुसार, जन्म प्रमाणपत्र और मृत्यु प्रमाणपत्र ब्लॉक, तहसील से पंचायत राज विभाग से संस्तुति होने के बाद बनते हैं। सुरियावां ब्लॉक के जालसाजों ने 250 से अधिक प्रमाणपत्र फर्जी तरीके से जारी कर दिए। महानिदेशक स्वास्थ्य ने सीआरएस पोर्टल की समीक्षा के दौरान इसे पकड़ा। उसके

किया।महिला थानाध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ चौक, रिकाबगंज, नाका, रायबरेली रोड, गुदड़ी बाजार, रोडवेज, सिविल लाइंस, बजाजा और देवकाली मंदिर सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने पंडालों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई देने वाले लोगों से पूछताछ की। संतोषजनक जवाब मिलने के बाद उन्हें जाने दिया गया।गश्त के दौरान महिला थानाध्यक्ष ने श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और जानकारी ली।गस्त के दौरान महिला उपनिरीक्षक प्रिया, उप निरीक्षक संजीव मिश्रा सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

उत्सवी माहौल तैयार किया जाएगा, जिससे युवा जोड़े, मित्र समूह और परिवार एक अलग तरह के अनुभव का आनंद ले सकेंगे। यह आकर्षण कार्यक्रम को पारंपरिक गरबा आयोजनों से अलग पहचान देगा। टिकट गुप्तार घाट गार्डन, शबरी रसोई और सूरज कुंड, अयोध्या स्थित ऑफलाइन टिकट केंद्रों से प्राप्त किए जा सकते हैं। टिकट संबंधी जानकारी एवं बुकिंग के लिए 9118197776 पर संपर्क किया जा सकता है। कई प्रतिष्ठित संस्थानों का सहयोग से हो रहा है जिसमें कार्यक्रम के प्रस्तोता ओमेक्स बी टुगेदर तथा सह–प्रायोजक सनी टोयोटा हैं। वहीं कवच आयोजन स्थल सहयोगी, 90.8 एफएम अयोध्या आर्िक रेडियो पार्टनर, एनिमेकमीडिया पार्टनर भी आयोजन से जुड़े हैं। आयोजकों का कहना है कि इस आयोजन के माध्यम से अयोध्या में सांस्कृतिक मनोरंजन, उत्सव पर्यटन और आधुनिक इवेंट संस्कृति को एक नई दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है। ‘गरबा उत्सव अयोध्या–2026’ का उद्देश्य केवल एक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि शहर के लोगों को संगीत, संस्कृति, उत्साह और आपसी मेलजोल से जुड़ा एक यादगार अनुभव प्रदान करना है।

एसपी सिटी व अन्य अधिकारियों ने दुर्गा पूजा पंडाल, व देवकाली मंदिर में जाकर सुरक्षा व्यवस्था परस्वी

अयोध्या। दुर्गा पूजा और रामलीला के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों और रामलीला स्थलों का निरीक्षण कर संबंधित समितियों के पदाधिकारियों को



आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।एसपी सिटी श्री त्रिपाठी ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा,चौकी प्रभारी देवकाली राममूर्ति और अन्य पुलिस कर्मियों के साथ देवकाली मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।उन्होंने मंदिर व दुर्गा पूजा पंडालों पर जाकर दर्शन–पूजन के लिए आए श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनका हालचाल जाना।साथ ही पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

जिला अस्पताल में पीड़िता ने चिकित्सक पर लगाया अभद्र भाषा प्रयोग करने का आरोप

अयोध्या। शुक्रवार को जिला अस्पताल में चिकित्सक पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप जिला चिकित्सालय में आई पीडित ने लगाया।जिसके चलते वहाँ पर हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय मीडिया कर्मी मौके पर पहुंच गए। मामला बढ़ता देख संबंधित आरोपी चिकित्सक इमरजेंसी वार्ड के बगल स्थित एक कक्ष में जाकर बैठ गया।मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पताल जैसे सार्वजनिक स्थान पर महिलाओ के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।हालांकि, पीड़िता की ओर से लगाए गए आरोपों और घटनाक्रम की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।वहीं इस संबंध में आरोपी चिकित्सक ने बताया कि उसने अपशब्दों का प्रयोग पीड़िता के लिए नहीं, बल्कि अपने एक रिश्तेदार के लिए किया था।चिकित्सक के अनुसार, वायरल वीडियो में भी उसने अपनी बात स्पष्ट की है।इस तरह चिकित्सक ने कथित अभद्र भाषा के प्रयोग को स्वीकार करते हुए उसके संदर्भ को लेकर अलग पक्ष पेश किया है। हालांकि, वीडियो की पूरी सामग्री और घटना के वास्तविक संदर्भ की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई।

यूपी में 3 महीने में पंचायत चुनाव कराने का आदेश

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तीन महीने के भीतर ग्राम पंचायतों के चुनाव कराने का आदेश दिया है। साथ ही निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए रखने का निर्देश दिया है। जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने करीब तीन घंटे तक चली सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। इससे पहले कोर्ट ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद निवर्तमान प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने का मामला कोर्ट पहुंचा था। इस मामले में सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव तीन महीने में कराने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या यूपी में अब विधानसभा चुनाव, पंचायत चुनाव के बाद होगा। इस्तियाज हुसैन की याचिका में मांग की गई है कि राज्य निर्वाचन आयोग को पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले पूरी चुनाव प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से संपन्न करने का विस्तृत कार्यक्रम जारी रखने का निर्देश दिया जाए। याचिका में कहा गया है कि पंचायत चुनाव 26 मई 2026 या उससे पहले हो जाने चाहिए।

अलोप शंकरी मंदिर में मां के कूष्मांडा स्वरूप के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज, (संवाददाता)। शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन अलोपीबाग स्थित मां अलोप शंकरी मंदिर में बुधवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। भक्तों ने मां के कूष्मांडा स्वरूप को माथा टेककर लाल चुनरी, नारियल और फूल चढ़ाए। लोगों ने परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। नवरात्रि में मां दुर्गा के कूष्मांडा स्वरूप की पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां अपने भक्तों को सुख, समृद्धि और आरोग्य प्रदान करती हैं। मां अलोप शंकरी मंदिर की सबसे विशिष्ट पहचान यहां स्थापित पालना है। मंदिर में देवी की पारंपरिक मूर्ति के बजाय पालने की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि माता सती के शरीर का एक अंग यहां अलोप हो गया था, इसलिए इस स्थान का नाम अलोप शंकरी पड़ा। इसे प्रमुख शक्तिपीठों में गिना जाता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।	
सम्पादक	
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव	
मो0 – 7007415808, 9415034002	
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	